खुशनुमा ज़िन्दगी के लिए जीवन करें ईश्वर को अर्पित

बायें से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. मोहन सिंघल, ब्र.कु. प्रकाश, मा.आबू, राज्यपाल महोदय आचार्य देवव्रत, श्रीमति राज्यपाल दर्शना देवी, ब्र.कु. भारत भूषण तथा ब्र.कु. ज्योति।

शिमला। पर्वतीय राजधानी शिमला स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र के सभागार में विज्ञान एवं तकनीकी प्रभाग की ओर से आयोजित 'खुशनुमा ज़िंदगी' विषयक नेशनल सेमिनार में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि खुशनुमा ज़िंदगी के लिए अपने जीवन को ईश्वर के प्रति समर्पित करें। अच्छे लोगों से दोस्ती करें और दीन-असहाय पर दया करें। सदा सुखी रहने के लिए छः चीज़ों से दूर रहें- ईर्ष्या, घृणा, क्रोध, शक्की स्वभाव एवं पर-आश्रित जीवन। मोहन सिंघल,उपाध्यक्ष,विज्ञान एवं तकनीकी प्रभाग,माउंट आबू ने राज्यपाल महोदय एवं सभी का सहृदय से अभिनन्दन किया तथा खुशनुमा ज़िंदगी के लिए आध्यात्मिक ज्ञान का वैज्ञानिक स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम में भारतवर्ष से लगभग 150 इंजीनियर एवं वैज्ञानिक शरीक हुए हैं। ब्र.कु. भारत भूषण,नेशनल कोऑर्डिनेटर,विज्ञान एवं तकनीकी प्रभाग ने खुशनुमा ज़िंदगी जीने के चार सूत्र बताए- सकारात्मक सोच, हरेक का सम्मान करें, निःस्वार्थ सेवा कर दुआएं कमाएं और राजयोग का अभ्यास करें। ब्र.कु. लक्ष्मी,कपूरथला ने राजयोग का अभ्यास कराया। ब्र.कु. ज्योति,हमीरपुर ने राज्यपाल महोदय का शॉल पहनाकर अभिनन्दन किया। ब्र.कु. अरुणा ने ईश्वरीय उपहार भेंट कर राज्यपाल एवं उनकी धर्मपत्नी का अभिवादन किया। ब्र.कु. ज्योति,पानीपत ने कुशल मंच संचालन किया।

सुख शांति के लिए बुराइयों को त्यागना होगा

सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा। मंचासीन हैं राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज, नगरपालिका अध्यक्ष आशीष शर्मा, सदर विधायक हरिशंकर माहौर तथा वित्त एवं राजस्व अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार शुक्ला।

आनन्दपुरी कॉलोनी सेवाकेन्द्र का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी। सुख शांतिमय सम्पन्न जीवन की सभी को लालसा होती है। लेकिन क्या छल-कपटपूर्ण आज के संसार में यह पूर्ण हो सकेगी! इसके लिए हर मानव के अन्दर दैवीय गुण चाहिए। संसार को फिर से दैवयुग बनाने का आशापूर्ण विचार ब्रह्माकुमारीज़ के अलीगढ़ रोड स्थित शांति भवन,आनन्दपुरी कॉलोनी सेवाकेन्द्र के वार्षिकोत्सव समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ के ज्यूरिस्ट विंग की चेयपर्सन राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा,दिल्ली पाण्डव ने व्यक्त किये। इससे पूर्व नवनिर्मित गीता ज्ञान चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ नगरपालिका अध्यक्ष आशीष शर्मा, सदर विधायक हरीशंकर माहौर, अपरजिलाधिकारी अशोक कुमार शुक्ला, ब्र.कु. पुष्पा, ब्रह्माकुमारीज़ की पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी ब्र.कु. सरोज, कार्यक्रम संयोजिका ब्र.कु. शान्ता आदि ने रिबन काटकर किया। ब्र.कु. पुष्पा ने गीता में वर्णित परमात्मा के अशरीरी स्वरूप की व्याख्या की। वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। उत्तराखण्ड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने संदेश के माध्यम से कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनायें प्रेषित कीं। नगरपालिका अध्यक्ष आशीष शर्मा ने ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से शहर में की जा रही लोक कल्याणकारी सेवाओं की सराहना करते हुए शुभकानाएं दीं। सदर विधायक हरिशंकर माहौर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें समाज को बदलने के प्रयास में निःस्वार्थ भाव से लगातार लगी हुई हैं, ये सराहनीय है। वित्त एवं राजस्व अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार शुक्ला ने कहा कि मैं पिछले पंद्रह वर्षों से ब्रह्माकुमारी संगठन की जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी के कार्यक्रमों को सुनता आ रहा हूँ। बहनों का कार्य और शिक्षायें सराहनीय है। आशु कवि अनिल बौहरे ने कविता के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यों की सराहना की। ब्रह्माकुमारीज़ की पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज,कासगंज ने कहा कि संसार को स्वर्णिम बनाना किसी मनुष्य का कार्य नहीं है, यह स्वयं परमपिता परमात्मा शिव का दिव्य अलौकिक कर्त्तव्य है। अन्त में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शांता ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रजकलाकेन्द्र के अध्यक्ष एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने सफलतापूर्वक किया। कार्यक्रम में जनपद भर से गणमान्य लोग एवं ब्रह्मावत्स उपस्थित रहे।

राजयोग प्रशिक्षण से बढ़ता है मनोबल

- ब्रह्माकुमारीज़ खेल प्रभाग द्वारा त्रिदिवसीय सम्मेलन
- शरीक हुए खेल जगत से जुड़े चार सौ लोग

ज्ञानसरोवर-माउंट आबू। हरियाणा सरकार के मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल सोनीपत के निदेशक कर्नल राज विश्नोई ने कहा कि निरंतर मेहनत, प्रशिक्षक व व्यवस्था में आस्था से ही खिलाड़ी सफलता को प्राप्त कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा राजयोग प्रशिक्षण प्राप्त करने से मनोबल क्षमता विकसित होती है जिससे खिलाड़ी खेल में अपना उत्तम प्रदर्शन कर सकते हैं। वे ब्रह्माकुमारीज़ के खेल सेवा प्रभाग द्वारा 'खेलों में उत्तम प्रदर्शन के लिए राजयोग का चमत्कार' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। भारतीय विश्वविद्यालय संघ दिल्ली के पूर्व सहसचिव डॉ. गुरदीप सिंह ने कहा कि साइंस के साथ आध्यात्मिकता का समावेश अद्भुत नतीजे ला सकता है। खेलों के निर्णायक दौर में आत्मिक शक्ति को स्थिर बनाए रखने से ही तनाव से मुक्त रहा जा सकता है। ब्रह्माकुमारी संगठन के खेल प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. बसवराज राजऋषि ने कहा कि जैसे स्वर्ण पदक हासिल करने में हमें बहुत खुशी होती है, ठीक उसी तरह परमात्मा द्वारा स्थापित स्वर्णिम दुनिया में ऊँच पद प्राप्त करके गॉडली मेडल लेने का यह सुअवसर है। संगठन के खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शशि ने कहा कि मानसिक दृढ़ता से सम्पन्न खिलाड़ी ही सफलता के नए सोपान तक पहुंच सकता है। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. जगबीर सिंह ने प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं की विस्तापूर्वक जानकारी दी।

नियमित राजयोग के अभ्यास ने बनाया विजेता

अंतर्राट्रीय निशांत क्रिकेट खिलाड़ी महेंद्र वैष्णव,हैदराबाद ने कहा कि तीन वर्ष की आयु में दृष्टि खोना मेरे लिए वरदान बना और आज मैं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल का हिस्सा बन गया। स्कूल के समय से ही ब्रह्माकुमारी बहनों ने मुझे आध्यात्मिक ज्ञान सुनाकर मेरे आत्मविश्वास को पंख लगा दिये, जिससे जीवन की हर परिस्थिति में हमेशा से ही मेरा सकारात्मक दृष्टिकोण बना रहता है। 2018 के दिव्यांगों के लिए हुए विश्वकप में क्रिकेट में हम विजेता बने। स्वयं की क्षमता पर विश्वास रखने से ही भगवान की मदद का अहसास होता है।

चन्द्रवरदाई नगर में नये राजयोग सेवाकेन्द्र का भूमिपूजन

अजमेर-धोलाभाटा(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के धोलाभाटा सेवाकेन्द्र के तत्वाधान में चंद्रवरदाई नगर डी ब्लॉक में भूमि पूजन कार्यक्रम में पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनीता भदेल ने कहा कि यहाँ राजयोग सेन्टर बन जाने पर अनेक लोगों को राजयोग सीखने का सौभाग्य प्राप्त होगा जिससे उनकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा। नीमच से आये राजयोगी ब्र.कु. सुरेन्द्र ने कहा कि राजयोग के निरंतर अभ्यास से ब्रेन ट्यूमर जैसी भयंकर बीमारी पर भी विजय प्राप्त किया जा सकता है, जिसका जीता-जागता उदाहरण स्वयं मैं हूँ। क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी शांता दीदी ने अपने आशीर्वचन से सभी को लाभान्वित किया। जिलाध्यक्ष शिवशंकर हेड़ा ने कहा कि इस राजयोग सेंटर से अनेक लोगों को लाभ मिलेगा तथा सकारात्मक जीवन जीने की कला भी मिलेगी। इस अवसर पर नीमच संभाग की इंचार्ज ब्र.कु. सविता, पार्षद एवं डिप्टी मेयर सम्पत सांखला, धोलाभाटा सेवाकेन्द्र की इंचार्ज ब्र.कु. कल्पना, किशनगढ़ एयरपोर्ट के डायरेक्टर अशोक कपूर तथा दरगाह के गद्दीनशीन अज़मत भी मौजूद रहे।

सु-स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवन हेतु राजयोग अपरिहार्य

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 39 जी.टी.सी. मिलिट्री के जवानों के लिए राजयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम

वाराणसी। ब्रह्माकुमारीज़ के ग्लोबल लाईट हाउस सेवाकेन्द्र द्वारा 'राजयोग, सुस्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली का आधार' विषयक कार्यक्रम में राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. तापोशी ने शारीरिक स्वास्थ्य के लिए शारीरिक व्यायाम की तरह मानसिक सुस्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली के लिए राजयोग को अपरिहार्य बताया।

संस्था के सक्रिय सदस्य लेफ्टिनेंट कर्नल विकास चौहान ने कहा कि हमें देश की रक्षा के साथ समाज में बढ़ती मानसिक विकृतियों एवं बुराइयों से खुद की रक्षा करने की कला सीखकर दूसरों को भी

सिखाना होगा। कार्यक्रम में 39 जी.टी.सी. के ब्रिगेडियर हुकुम सिंह बैंसला ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें बहुत ही खुशी है कि हमारे जवानों के बीच ब्रह्माकुमारी संस्था के बहन-भाइयों ने आकर जीवन जीने की कला के साथ राजयोग की विधि से परिचित कराया। हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे जवान इन बहनों की सुंदर एवं श्रेष्ठ बातों का अनुसरण कर स्वयं को मानसिक रूप से सशक्त बनायेंगे। कार्यक्रम में 39 जी.टी.सी. के कमाण्डेण्ट (कर्नल) ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd June 2019
संपादक : ब्र.कु. गंगाधर, प्रकाशकः ब्र.कु. करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी. प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।